सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश

समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व शाला शिक्षा पाठ्यक्रम

"पहला प्रयास"

भाग : 7

माह सितम्बर

मासिक विषय : पेड़ पौधे

निदेशालय

महिला एव बाल विकास

हिमाचल प्रदेश, शिमला–171009

आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व शाला शिक्षा पाठ्यक्रम

माह सितम्बर

मासिक एंव साप्ताहिक विषय

माहः सितम्बर

पेड़ पौधे

पहला सप्ताह

फलदार पेड़

दूसरा सप्ताह

जंगली पेड़ पौधे

तीसरा सप्ताह

औषधीय पेड़ पौधे

चौथा सप्ताह

फूल

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए

- बच्चों के साथ मधुरता एवं कोमलता का व्यवहार रखें।
- 3 से 4 वर्ष और 4 से 5 वर्ष के बच्चों के साथ अलग–अलग गतिविधि करवाते समय यह ध्यान रखें कि दोनों ग्रुप के बच्चे गतिविधि में व्यस्त हैं और अगर कोई ग्रुप गतिविधि जल्दी खत्म करता है तो उन्हें कविता गाने या चाक से ड्राईंग करने के लिए कहें ऐसे समय उन बच्चों पर ज्यादा ध्यान दें जिन्हें कार्य करने में मुश्किल महसूस हो रही हो।
- कार्यकर्ता बच्चों की समझ और गति के अनुसार गतिविधियों को दोहराएं या जल्दी करवाएं, गतिविधियों की अवधि बच्चो की ध्यान अवधि(15–20 मिनट) के दृष्टिगत लगभग 20 मिनट की हो। अतिरिक्त समय समापन वह अगली गतिविधि की शुरुआत के लिए आबंटित करे। कार्यकर्ता उन विषयों को अधिक समय दें और दोहराएं जिन्हे बच्चों को समझने में मुश्किल हो रही हो ।
- मासिक विषय के अनुरूप समर्थक वातावरण बनाऐं रखने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र को विषय अनुरूप व्यवस्थित करें।
- कार्यकर्ता माह का विषय पहले सोमवार से आरम्भ करें, उदाहरणतः यदि पहला सोमवार 5 तारीख को है तो उस माह का विषय 5 तारीख से आरम्भ करे और 1 से 4 तारीख तक गत माह में करवाए गए विषयों की पुर्नावृति करवाएं इसी प्रकार कार्यकर्ता माह के चौथे सप्ताह के पश्चात भी माह के दौरान करवाए गए विषयों की पुर्नावृति करवाएगी और गतिविधियों के दौरान बच्चों का निरीक्षण और आंकलन की क्रिया को पूरा करेंगी।
- कार्यकर्ता हर दिन का पाठ्यक्रम पहले से पढ़कर रखें।
- कार्यकर्ता आंगनवाड़ी केन्द्र बन्द करने से पहले अगले दिन की गतिविधियों की सारी तैयारी कर लें। दैनिक गतिविधियों को आरम्भ करने से पूर्व ही सभी सहायक शिक्षण सामग्री व्यवस्थित कर ले ताकि दिन भर उन्हे सामान एकत्रित करने के लिए बच्चों को छोड़कर उठना न पड़े।
- यदि किसी दैनिक विषय के क्रियान्वयन में स्थानीय परिवेश के कारण कठिनाई हो तो किसी अन्य प्रासंगिक विषय का प्रयोग करें।
- यदि किसी दैनिक विषय को अवकाश अथवा किन्हीं अन्य कारणों कि वजह से लागू न कर सकें तो उसे माह के अन्त में करें।

माह– सितम्बर
विषय : पेड पौधे

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : फलदार पेड
सोमवार — दैनिक विषय : आम का पेड

लक्ष्यः– माह के अन्त में बच्चे सक्षम होंगे–

1. फलों के वृक्ष की जानकारी देने में।
2. कुछ औषधीय पौधों के बारे में जानकारी देने में।
3. मौसमी फलों की जानकारी व उनकी उपयोगिता।
4. फूलों की पहचान करने में
5. रंग व आकृति के ज्ञान में

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागतः– आंगनवाडो कार्यकर्ता सभी बच्चों के साथ नाम लेकर नमस्ते से उनका अभिवादन करेगी। बच्चे भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को तथा आंगनवाड़ी सहायिका को नमस्ते करेंगे। इसके बाद निम्न प्रार्थना व राष्ट्रगान करवाएं।

प्रार्थना	राष्ट्रगान
हे शारदे मॉ, अज्ञानता से हमें तार दे मॉ.....2 तू स्वर की देवी संगीत तुझसे.....2 हर शब्द तेरा, हर गीत तुझसे हम हैं अकेले हम हैं अधूरे.....2 तेरी शरण हम, हमें तार दे मां हे शारदे मॉ, अज्ञानता से हमें तार दे मॉ.....2 तू श्वेतवर्णी कमल में विराजे, हाथ में वीणा मुकुट सिर पे साजे हम हैं अकेले हम हैं अधूरे.....2 तेरी शरण हम, हमें तार दे मां हे शारदे मॉ, अज्ञानता से हमें तार दे मॉ.....2 ऋषियों ने समझी, मुनियों ने जानी...2 वेदों की भाषा पुराणों की वाणी...2 हम हैं अकेले हम हैं अधूरे.....2 तेरी शरण हम, हमें तार दे मां हे शारदे मॉ, अज्ञानता से हमें तार दे मॉ.....2	जन–गण–मन अधिनायक जय हे, भारत भाग्य विधाता। पंजाब, सिंध, गुजरात मराठा, द्रविड, उत्कल बंग। विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा उच्छल, जलधि, तरंग। तव शुभ नामे जागे। तव शुभ आशिष मागे। गाए तव जय गाथा। जन–गण–मंगलदायक जय हे, भारत भाग्य विधाता। जय हे, जय हे, जय हे जय, जय, जय, जय हे।

स्वच्छता जांचः— कार्यकर्ता बच्चों से एक दूसरे के शरीर के अंगो एवं वस्तुओं की जांच करने को कहें, सभी बच्चे एक दूसरे के नाखून, दॉत, बाल, कपड़े, आदि की स्वच्छता की जांच करे।

10:30 से 10:45

नाश्ताः— सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

विषय आधारित वार्तालापः—

आंगनवाडो कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः— बच्चों से पूछें कि आम कैसा होता है ? क्या आपको आम अच्छा लगता है ? आम का रंग कैसा होता है ? क्या आपको पता है, आम कहां लगता है ? आम का पेड कैसा होता है ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः— परिकल्पना : श्रव्य/दृश्य— *(विधि—मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

(3—5+ वर्ग हेतु)

- खेल करवाएंः— एक बच्चे की पीठ पर उसे दिखाए बिना किसी भी फल का फ्लैश कार्ड लगाए। अन्य बच्चे फल का नाम नहीं लेंगे पर उस का नाम बताने में सहायता करेंगे, जैसे— सेबः— लाल या गोल बताएंगे।

- अलग क्या है ?

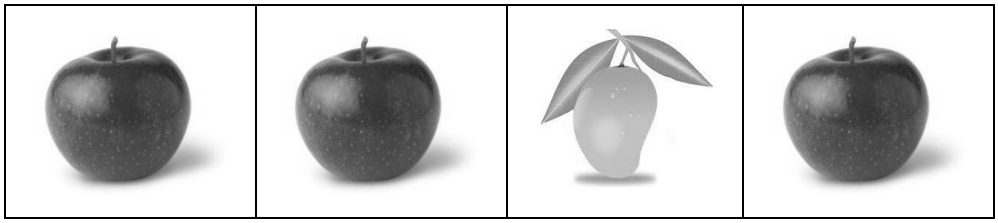

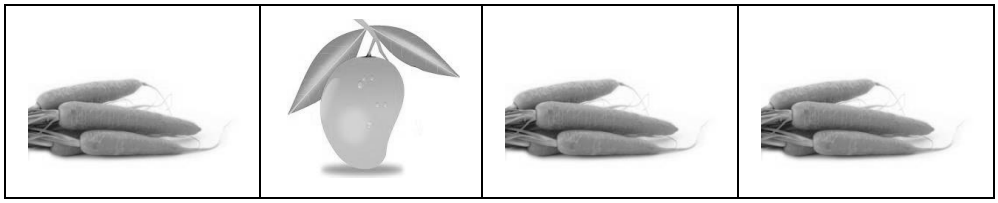

- सभी पेड़ों के फ्लैश कार्ड अलग—2 छांटकर समूह बनाएं।

- मिलान— एक जैसी वस्तुओं/चित्रों का मिलान करवायें।

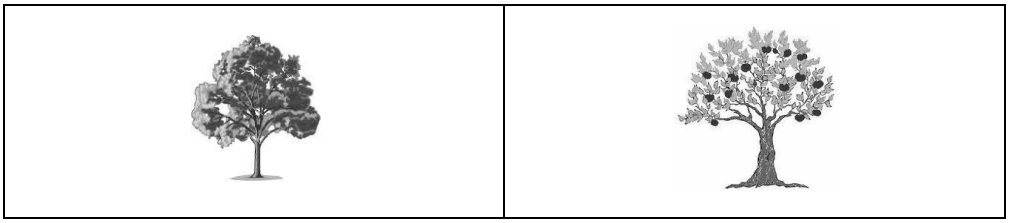

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः— <u>चलना/संतुलन बनाना</u>

(3 से 4 वर्ग के बच्चों के लिए)

बच्चों को एक के पीछे एक खडा करके दोनों हाथों को फैलाने को कहेंगे व बतायेंगे कि पेड में बहुत सी टहनियां होती हैं। बच्चे धीरे–2 संतुलित होकर चलेंगे।

(3 से 5+ वर्ग के बच्चों के लिए)

(हम बाजार गए थे)

बच्चे घेरें में बैठेंगे एक बच्चा उठ कर दूर घूम कर आएगा
और कहेगा– हम बाजार गये थे।
सारे बच्चे पूछेंगे– बाजार से क्या–2 लाए ?
बच्चा अभिनय से समझाएगा– जैसे आम का अभिनय।
जो बच्चा उसके अभिनय को समझकर ठीक उत्तर देगा, वही बच्चा फिर बाहर जाएगा। इसी तरह खेल जारी रहेगा।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः— <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'आवा कावा' व पहेली को कार्यकर्ता बच्चों से अपने साथ करवाएं।
आवा, कावा, पाईन एप्पल,
मैंगो–मैंगो, केले का स्वाद।
देखो आम कितना रसीला।
छिलका इसका पीला–पीला।
लगता कितना ताजा है, आम फलों का राजा है।
आम रसीला जो खाता है, खूब विटामिन 'ए' पाता है।
मौसम में सस्ते मिलते हैं। बच्चों को अच्छे लगते हैं।

पहेली– इचक दाना बिचक दाना, दाने ऊपर दाना इचकदाना।

लाल–लाल रंग है मेरा खाके खून तुम बढाना। बोलो क्या ? उत्तर–अनार

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः रंग भरना/चित्रकला

(3 से 4 वर्ग के बच्चों के लिए)

1. आम की आकृति बना कर उसे पीला रंग भरने को कहें।

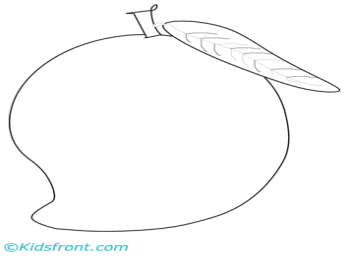

2. आम के पेड रंग में भूरा, पत्तों में हरा व आम में पीला रंग भरवाएं।

(4 से 5+ वष के बच्चों के लिए)

3. आम की आकृति में सूखे पत्त (पीले रंग के) चिपकाने को कहं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'खरबूजों का खेत' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं।

एक समय की बात है कि जंगल में एक गीदड़ रहता था। उसका नाम भीरु था। उसकी दोस्ती एक ऊंट से हो गई। ऊंट का नाम लम्बू था। उसने ऊंट से एक बार खरबूजे खिलाने को कहा। ऊंट उसे अपनी पीठ पर बैठा कर नहर पार करके खेत में गया और वहां खूब मीठे खरबूजे लगे थे। वे दोनों खाने लगे। गीदड़ का पेट छोटा था, तो उसका पेट भर गया और खाने के बाद उसने ''हुआ हुआ'' चिल्लाना शुरु कर दिया। ऊंट का पेट बड़ा था, अभी तक उसका पेट भरा नहीं था इसलिए उसने भीरु को चिल्लाने से मना किया। पर भीरु शैतान था, उसने लम्बू

की एक न सुनी। भीरु चिल्लाना का सुनकर खेत का मालिक किसान वहां आ गया। लम्बू तो झाड़ियों में छुप न पाया। किसान ने उसे खरबूजे खाते देख डंडे से मारा। बेचारा लम्बू पिट कर खेत के बाहर आ गया। अब फिर लम्बू ने भीरु को पीठ पर बिठाया और नहर पार करने लगा। उसे सबक सिखान के लिए लम्बू ने बीच नहर में भीरु को गिरा दिया। भीरु पानी में डूबने लगा और लम्बू से बचाने की प्रार्थना करने लगा। पर ऊंट ने मना कर दिया और कहा कि भीरु ने भी उसकी बात न सुनकर उसे पिटवाया था। इस तरह गीदड़ को सजा मिली।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले निम्न प्रार्थना करवाएं।

खाने का समय हो गया। हम सब मिलकर खाएंगे।
हाथ भी धोया, मुंह भी धोया। हम खाने को तैयार हैं।
खाने का समय हो गया। हम सब मिलकर खाएंगे।
चम्मच से खायेंगे, नीचे नहों गिराएंगे। जठा नहीं बचाएंगे।
खाने का समय हो गया। हम सब मिलकर खाएंगे।
ओम् शान्तिः शान्तिः शान्तिः
****

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषयः फलदार पेड़
मंगलवार — दैनिक विषयः सेब का पेड़

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः—बच्चों से पूछें कि किस–2 बच्चें ने सेब को देखा है। फिर बच्चों को सेब का चित्र दिखाएं और बच्चों से पूछें कि इसका रंग कैसा है और इसका स्वाद कैसा होता है ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : रंगो का ज्ञान– *(विधि – पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः–
  Apple red, Apple round,
  Apple juicy, Apple sweet,
  Apple-Apple I love you.
  Apple-sweet I love to eat.
- बच्चों को हम सेब के पेड का चित्र बनाकर देंगे। जिसमें बच्चों से पूछेंगे कि इसमें पत्त का रंग कैसा है ? पेड का रंग कैसा है ? पेड के तने का रंग कैसा है ? फल का रंग कैसा है ?

- बच्चों से पूछेंगे कि सेब के रंग की और कौन–2 सी चीजें होती है?

- सभी फ्लैश कार्डों में से लाल सेब का कार्ड छांटने को कहें और भी लाल रंग के फल ढूंढ कर छांटने को कहें।

- क्रमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

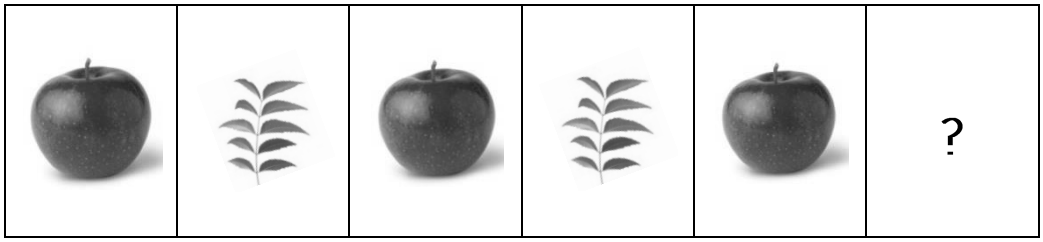

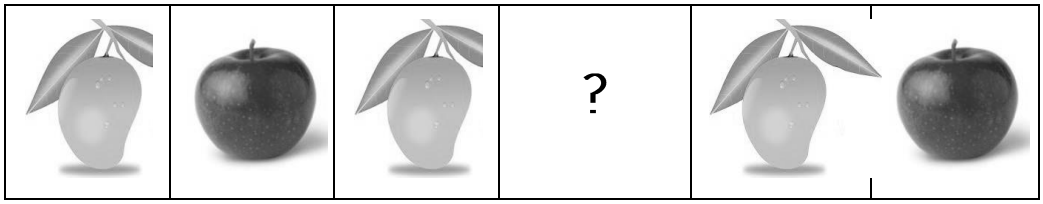

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>भागना/दौडना</u>

1. गेम के द्वाराः– दो बच्चों को खडा करें और उनका नाम आम और सेब रख दें। और दोनो के हाथ पकडवाकर और बच्चों को उनके बीच दौडाएं–

पोशम पा भई पोशम पा, डाकिए न क्या किया?
सौ रुपये की घडी चुराई। आठाने की टॉफी खाई।
अब तो जेल में आना पडगा, जेल की रोटी खानी पडेगी।
अब तो जेल में आना पडगा।
अब जेल में जो बच्चा फस जाएगा उसको किनारे ले जा कर चुपके से पूछेंगे कि आम खाएंगे कि सेब। जो बच्चा सेब कहेगा वह सेब के पीछे चला जाएगा। जो बच्चा आम कहेगा आम के पीछे चला जाएगा।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता / कहानी / पहेली

कविता 'आवा कावा' व पहेली को कार्यकर्ता बच्चों से अपने साथ दोहराई करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— छापना एवं पेन्टिग

1. बच्चों को सेब का वृक्ष बनाकर दें और उसमें रंग भरने को कहें। पत्तों का रंग में डालकर कागज पर छापें।
2. सेब का आकार बनाकर लाल रंग के कागज फाडकर उसमें चिपकवाएं। अंगुली से उसमें छापे लगवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'खरबूजों का खेत' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड पौधे

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषयः फलदार पेड
बुधवार — दैनिक विषयः अमरुद का पेड़

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः–बच्चों से पूछें कि किस–2 ने अमरुद का पेड देखा है ? अमरुद का पेड कहां देखा है ? आप ने अमरुद खाए हैं आदि–2 ।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पना : आकृति ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– जमीन पर विभिन्न आकृतियां बनाएं। जैसे जब बोले–सेब तो बच्चे चौकोर वाली आकृति में जाएं। जब बोले–अमरुद तो बच्चे गोल वाली आकृति में जाएं। जब बोले–केला तो बच्चे त्रिकोण वाली आकृति में जाएं। इसी तरह खेल आगे बढ़ाएं।
- आकृति अनुसार मिलान करवायें–

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः— <u>उछलना / कूदना</u>

(3—5+आयु वग)

- सभी बच्चों को एक घेरे में बैठाएं व एक बच्चे को बीच में खडा करें व उसकी पीठ पर अमरुद का पेड का चित्र बनाकर चिपकाएं। फिर हम देखो और बूझो का खेल करवाएं। जो बच्चा सही बूझे अमरुद बना बच्चा उस बच्चे तक कूद कर जाए फिर वो अमरुद बनेगा। खेल जारी रहेगा।
- एक बच्चे को पेड बनाएं व दूसरे बच्चों को बारी—2 से उके आगे—पीछे दांए—बाएं कूदने को कहें।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः— <u>कविता / कहानी / पहेली</u>

कविता 'आवा कावा' व पहेली को कार्यकर्ता बच्चों से समूह में दोहराई करवाएं।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः— <u>रंग भरना / चित्रकला</u>

- अमरुद, आम, सेब कागज पर चित्र बनाकर, उसमें बच्चों से छोटे—2 कागज के टुकड चिपकाएं।

- कई प्रकार के वृक्षों के पत्त मिलाकर बच्चों को पहचानने को कहें तथा अलग—2 करवाएं व चिपकवाएं।

<u>01:15 से 01:45</u>

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—कहानी 'खरबूजों का खेत' की दोहराई कार्यकर्ता कठपुतली / हैंड पपट द्वारा करवाएं।

<u>01:45 से 02:00</u>

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//*********************************//

माह– सितम्बर
विषयः पेड पौधे

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषयः फलदार पेड
वीरवार — दैनिक विषयः केले का वृक्ष

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः—बच्चो से पूछें कि केला किस–2 ने खाया है ? केला कैसा होता है, केले का रंग कैसा होता ह व केले को कैसे खाते हैं ? केला आपने कब खाया ? क्या केले का पेड भी देखा है ? इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : पूर्व संख्याबोधः– छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, लम्बा–छोटा

(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)

पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– एक हाथ की हथेली में दूसरे हाथ की उंगलियां छिपाएं और कार्यकर्ता बच्चों से पूछे– उंगली–पटंगली बता मेरी बडो उंगली...
  उंगली–पटंगली बता मेरी छोटी उंगली
- मोटे पर सही (✓) व पतले पर गलत (×) का निशान लगवाएं।

- छोटे पर सही (✓) व बड़े पर गलत (×) का निशान लगवाएं।

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः— <u>रेंगना / लुढकना</u>

बच्चों को दो टीमों में बांटें। दोनो टीमों को एक–2 केला देकर उन्हे कहें कि जो टीम सबसे पहले खायेगी वो विजयी रहेगी। इसी प्रकार केले पर रेस भी करवायें।

बच्चों से रेंगने, लुढकने का खेल करवायें।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः— <u>कविता / कहानी / पहेली</u>

कार्यकर्ता कविता 'आवा कावा' व पहेली की बच्चों से एकल में दोहराई करवाएं।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः— <u>पिरोना / छांटना</u>

अलग–2 फलों के पेड के पत्तों को छांटकर पिरोने को दें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'खरबूजों का खेत' की दोहराई कार्यकर्ता नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषयः फलदार पेड़

शुक्रवार — दैनिक विषयः पपीते का पेड़

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः–बच्चों से पूछें कि पपीता किस–2 ने खाया है ? पपीते का रंग कैसा होता है ? पपीते का पेड किस–2 ने देखा है, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : क्रमबद्ध सोच

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– एक दो तीन, बज रही है बीन।
  चार पॉच छः सच्ची बात कह।
  आठ नौ दस, पी सेब का रस।
- एक आदमी गॉव से शहर आया, साथ में आम लाया। साथ में सेब, अमरुद, केला, पपीता लाया आदि चीजें कविता के रुप में बुलवाकर एक–2 लाये गये फल दो बार दोहरायें व अन्त में बच्चों को यह कविता बोलने को कहें देखें कि बच्चे ने कम से कितना याद रखा है।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

ताली बजाना। आधे बच्चों को कहेंगे कि तुम्हारा नाम आम है और आधे बच्चों को पपीते का नाम देंगे। कार्यकर्ता जब आम पुकारेगी तो जिन बच्चों का नाम आम है वो सारे बच्चे ताली बजाएंगे और जब पपीता कहेगी तो जिन बच्चों का नाम पपीता रखा है वो ताली बजाएंगे। इसी तरह बच्चों को चुटकी बजाने को भी कह सकते हैं।

इसी तरह आम और पपीता कहकर बच्चों को उछलने और दौडने को कह सकते हैं जैसे पहले आम वाले बच्चे दौंडेंगे। फिर पपीते वाले बच्चे।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'आवा कावा' व पहेली की कार्यकर्ता बच्चों से एकल में दोहराई करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिट्टी/पानी के खेल

- बच्चों से क्ले के द्वारा छोटे—2 मनके बनवाकर उसमें छेद करके बच्चों को पपीते के रंग के मनके छांटकर उसे धागें में पिरोने को कहना। और बच्चों को उन्हे गिनती करने को कहें।
- बच्चों को चावल, चने की दाल, माश, राजमा आदि मिलाकर पपीते के रंग की दाल छांटने को कहें। इन सामग्रियों की मदद से बच्चों को कोई भी आकृति जैसे गोल, गिनती, 1,2,3,4, या फिर अ,आ लिखने को कहना।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'खरबूजों का खेत' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड पौधे

दूसरा सप्ताह
सोमवार

साप्ताहिक विषय : जंगली पेड पौधे
दैनिक विषय : पीपल का पेड

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि घर से आंगनवाड़ी आते हुए रास्ते में क्या–2 देखा, कौन–2 से पेड देखे। क्या तुमने पीपल का पेड देखा ? किसी बच्चे के घर के पास पीपल का पेड़ है ? पीपल के पेड़ से हमें क्या–2 मिलता है ? फिर बताएं कि पीपल के पेड़ की पूजा भी की जाती है।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : स्पर्श / गंध *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व क्रमबद्ध)*

- खेल करवाएंः– Ice, water Game-
  एक बच्चे की बारी होगी वह जिस भी बच्चे को छूएगा तो बोलेगा– Ice (बर्फ) फिर वह बच्चा बैठ जाएगा। अन्य बच्चे दौड़ते हुए बैठे हुए बच्चे को छूएंगे और बोलेंगे– water (पानी) तो बैठा हुआ बच्चा भी दौड़ेगा।
- बच्चों के पास हम पीपल के पत्ते और पीपल की लकडो के छोटे–2 टुकड़ रखेंगे और उनसे स्पर्श करने कहेंगे कि कौन सा खुरदरा है और कौन मुलायम है।

- छांटनाः– बच्चों के सामने पीपल के तीन–चार पत्त रखकर उसमें एक पत्ता दूसरे पेड़ का रख देंगे। और बच्चों से पूछेंगे कि अलग पत्ता कौन सा है ?

- क्रमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

पीपल का पेड	केले का पेड	पीपल का पेड	?

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– गेंद के खेल

1. टेढो–मेड़ी रेखा पर चलना।
2. चम्मच में कंचा रखकर चलाना।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहली

कविता "Don't cut me " व पहेली को कार्यकर्ता बच्चों से अपने साथ करवाएं।

" Don't cut me" cried the tree
Because I give you shadow free
Take my cool shade and let me live.
my life well.

पहेली– सबको छाया देता हूं, फूल फल भी देता हूं।
खुद कट मैं जाता हूं, सबको घर मैं देता हूं। बोलो क्या ? उत्तर–पेड

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः चित्रकला/रंग भरना

- पीपल का वृक्ष बनाकर बच्चों को उसमें रंग भरने को कहें।

- कागज पर पीपल के पत्त का आकार बनवाएं और पत्त पर आंख, कान, नाक बनवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'स्वार्थी बालक' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं।

एक बार मोंटू तथा टिंकू नाम के दो लडके एक दूसरे के मित्र थें एक दिन वे पास के कस्बे के लिए साथ–साथ चल पडे। उनका मार्ग जंगल में से होकर जाता था। जब दोनों जंगल में से जा रहे थे तो उन्होने एक भालू को देखा। मोंट् पास के एक वृक्ष पर चढ गया। जब टिंकू ने भालू को देखा तो, उसने भी वृक्ष पर चढने का प्रयास किया। वह घबरा गया था। उसने मोंटू से वृक्ष पर चढने के लिए सहायता करने को कहा, परन्तु मोंटू ने टिंक् को एक उपाय सुझाया। वह जमीन पर लेट गया और अपनी सांस रोक ली। भालू ने वहां पहुंच कर लडके को सूंघा। उसको मृतक समझकर भालू उसे छोडकर चला गया। उसने लडके को कोई हानि नहीं पहुंचाई। क्योंकि भालू अपना शिकार खुद करता है। वह मृतक जीव का नहीं खाता है। मोंटू से टिंकू ने पूछा, ''भालू तुम्हारे कान में क्या कह रहा था ?'' टिंकू ने कहा, '' भालू कह रहा था कि स्वार्थी मित्र पर कभी भी विश्वास न करों।'' यह सुनकर मोंटू बहुत शर्मिन्दा हुआ। मोंटू को छोडकर टिंकू घर वापिस आ गया। इसलिए बच्चों कभी स्वार्थी मत बनो। दूसरों की भलाई करना सीखो और आवश्यकता के समय अपने मित्रों की सहायता करो।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

****

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः जंगली पेड़ पौधे
मंगलवार — दैनिक विषयः चीड़ का पेड़

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि चीड़ का पेड़ किस–2 ने देखा है ? उसके पत्ते कैसे होते हैं ? चीड़ के पेड़ पर लगने वाला फल किस–2 ने देखा है ? इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि – मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– तोता हूं मैं तोता हूँ, हरे रंग का तोता हूँ।
  लाल चोंच वाला हूँ सारे पेडों पर मैं जाता हूँ।
  लाल, हरे, पीले फल खाता हूँ
  माली को देख हरे–2 पत्तों में छिप जाता हूँ।
  - बच्चों को चार्ट, रंग बिरंगे खिलौने, गुब्बारे, पत्ते टहनियां, फूलों से रंगो का ज्ञान करवाएं।

- चीड़ के कस्टे(फल) इकटठे कर उनमें रंग भरवाएं।

- हरे रंग के चीड के पत्ते व लकडो के टुकड का समूह बनवाएं

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— भागना/दौड़ना

- चीड़ की पत्तियां इकट्ठी करके, उनका झाड् बनवाएं व झाड् लगवाने का अभिनय करवाएं।
- चीड के कस्टे फल को धागे में बांध कर खींचने को कहें और दौडाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहली

कविता "Don't cut me " व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता बच्चों से अपने साथ करवाएं।

2:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— छापना/पेंटिंग

1. सभी प्रकार के पेड़ों के पत्तों को रंगो में भिगोकर छपवाएं। वाटर कलर का प्रयोग करें।
2. हथेली में रंग लगाकर छपवाएं।

3. सिक्का कागज पर छपवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'स्वार्थी बालक' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर

विषयः पेड पौधे

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः जंगली पेड पौधे

बुधवार — दैनिक विषयः खैंर

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि आंगनवाड़ी आते हुए रास्ते में क्या–2 देखा ? फूल देखे, पेड़ देखे, झाड़ियां देखी। तुम्हारे घर के आस–पास कौन से पेड़ हैं ? क्या मम्मी ने पेड़ों के बारे में बताया है ? पेड़ों से हमें जलाने के लिए लकड़ी मिलती है। और पेड़ों से कई प्रकार की दवाईयां बनती है।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति ज्ञान– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– कोई भी आकृति जमीन पर बनाएं जैसे– पेड। जब कार्यकर्ता बोले– पेड तो सभी बच्चे पेड की आकृति में जाएं जब बोले–पौधा तो सभी बच्चे आकृति से बाहर आएं।
- बच्चों को कागज पर गोल, त्रिकोण, चकोर और कई प्रकार की आकृति में गोंद लगाकर उसमें लकड़ी का बुरादा डालने को कहेंगे। बड पत्तों में गोल, त्रिकोण, चौकोर आकृति कटवा कर कागज पर लगवाएं।

- निम्न में कमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

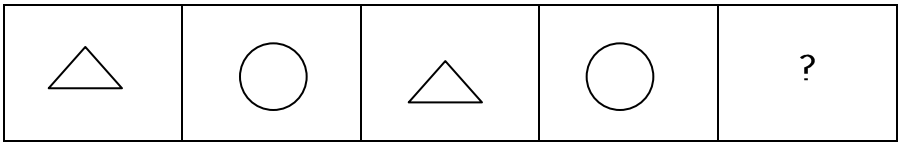

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– उछलना/कूदना

(3–5+आयु वग)

1. एक बच्चे को पेड़ बनाकर और सारे बच्चों को कूदकर उसे छू कर वापिस आने को कहें।
2. छोटे पेड़ पर चढन–उतरन की किया करवाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहली

कविता "Don't cut me " व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता बच्चों से समूह में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः– फाड़ना/चिपकाना

1. कागज पर पेड़ की आकृति बनाकर, बच्चों को पेड़ों के पत्ते लाकर देंगे और चिपकाने को कहें।

- अलग–2 आकार के पत्त कागज के बीच रखकर मोमी रंग से उसके उपर घिसवाएं।

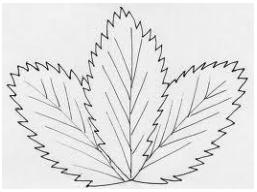

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'स्वार्थी बालक' की दोहराई कार्यकर्ता कठपुतली/हैंड पपट द्वारा करवाएं।

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

दूसरा सप्ताह
वीरवार

साप्ताहिक विषयः जंगली पेड़ पौधे
दैनिक विषयः देवदार का पेड़

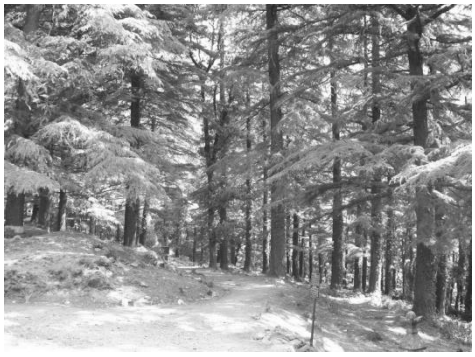

समय

गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि क्या आप सब जानते हो कि जो हमारे घर में कुर्सी, टेबल, खिड़की, दरवाजे और लकड़ी का सामान,चौकियां और खिलौने ये सब लकड़ी के बने होते हैं और लकड़ी हमें पेड़ों से मिलती है। और ये सारी चीजें देवदार की बनी हो तो ज्यादा अच्छा होता है क्योंकि यह बहुत मजबूत होती है।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः समय / दूरी / दिशा– *(विधि–आगे–पीछे, पहले–बाद में, दांए–बांए)*
पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– किसकी आवाज है– विभिन्न प्रकार के जानवरों की आवाजें निकालेंगे और बच्चों से पूछें कि किसकी आवाज है ?

- एक समान चित्रों का मिलान करवाएं–

- कौन सा बच्चा पेड के पास पहले पहुंचेगा ?

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– **<u>रेंगना / लुढकना</u>**

लुकाछिपो का खेल करवाएं।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– **<u>कविता / कहानी / पहली</u>**

कविता ‘‘Don’t cut me ‘‘ व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता बच्चों से अकेले–2 करवाएं।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः– **<u>पिरोना / छांटना</u>**

1. बिल्डिंग ब्लॉक्स और कांउंटिंग फ्रेम द्वारा बच्चों से 1,2,3,4,5 और अ से ज्ञ तक तथा गिनती करवाएं।
2. अंग्रेजी, हिन्दी वर्णमाला, गिनती आदि के अक्षरों को इकट्ठा करके अलग–2 छांटने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'स्वार्थी बालक' की दोहराई कार्यकर्ता नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः जंगली पेड़ पौधे

शुक्रवार — दैनिक विषयः शीशम

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि किस–2 ने कौन–2 से पेड़ देखें हैं ? किसे कौन सा पेड़ अच्छा व सुन्दर लगता है ? इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः पजल

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ आयु वर्ग)

1. पिछले दिनों बताए गए जंगली पेड़ों के कार्ड बच्चों के सम्मुख रख कर उनसे पहचानने को कहें।(यादाश्त अवलोकन)
2. बच्चों से पेडों की आकृतियां बनवाकर बच्चों से पूछें कि आगे क्या आएगा ?

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

1. दीवार पर चॉक के माध्यम से पेड़ बनाकर, कुछ दूरी पर बच्चों को खड़ा करके बच्चों से बाल द्वारा निशाना लगवाएं।
2. गेंद से पिटठु खिलवाएं। फुटबाल खिलवाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहली

कविता "Don't cut me " व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता बच्चों से अकेले—2 करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिटटी/पानी के खेल

बच्चों से पेडों की छोटी टहनियां मिट्टी के ढेर में लगाने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'स्वार्थी बालक' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : औषधीय पौधे
सोमवार — दैनिक विषय : नीम

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से बातचीत करें कि बीमार होने पर किस की मम्मी क्या करती है ? क्या देती है ? फिर बताएं कि पुदीना, तुलसी व नीम इत्यादि हमारी बीमारियों में हमें लाभ पहूंचाते हैं तथा कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिनसे हमें औषधियां प्राप्त होती हैं। फलदार पौधे, जंगली पौधे व औषधीय पौधों का अन्तर समझाएं तथा साथ ही नीम के बारे में भी बात करें।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः श्रव्य/दृश्य–*(विधि–मिलान, विभेदीकरण, युग्मिंग)*

- खेल करवाएंः– बच्चों को विभिन्न प्रकार के फ्लैश कार्ड दें जैसे– गुलाब के फूल के, गेंदे के फूल के, पत्तियों के, पेडों के फिर

किसी एक का नाम ले। बच्चा उस फूल के फ्लैश कार्ड को देख कर छाँटे।

- समान पौधों/चित्रों का मिलान करवाएं

तुलसी	धनिया
नीम	पुदीना
गुलाब	गुलाब
पुदीना	नीम
धनिया	तुलसी

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>चलना/संतुलन बनाना</u>

- आंगनवाडो के पास उपलब्ध कोई दातून करवाते हुए टेढो–मेढो रस्सी पर संतुलन बनाकर चलने को कहें, जैसे– अखरोट, तिम्बर, नीम आदि।
- चम्मच पर कोई पत्ता रखकर संतुलन बनाके रेस लगवाएं।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– <u>कविता/कहानी/पहली</u>

कविता 'पेड हमारे सच्चे मीत' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

पेड हमारे सच्चे मीत, गाओ बच्चों मिल कर गीत।
पेड हमारे सच्चे मीत।
प्राण वायु देते नित हमको, इसलिए प्यारे सब जग को।
मीठे–2 फल ये देते, बदले में कुछ भी नहीं लेते।
पहेली–हरे पत्ते और बीज मेरे, बड काम के गुण है मेरे
आंगन में सवेरे जल चढाते, सुख समृद्धि निरोगता पाते।
बोला क्या ? उतर– तुलसी

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः चित्रकला/रंग भरना

1. बच्चों से ब्लो पेंटिग करवाएं। कागज पर रंग डालकर फूंक द्वारा करवाएं।
2. कागज को गीला करके उस पर रंग डालें व उससे आकृतियां बनवाएं।
3. दॉत के ब्रश द्वारा स्प्रे पेंटिंग करवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'नटखट बन्दर' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं।

एक बन्दर था जो एक जंगल में पेड पर रहा करता था। उसने सोचा चलो बहुत दिन हो गए पेडों पर रहते–रहते अब शहर की ओर जाते हैं। वहां हमको घरों से विभिन्न प्रकार की चीजें खाने को मिलेंगी। फल खाते–खाते तो हम परेशान हो गए हैं जब वह शहर की ओर गया। उसने बहुत से घर देखे जिनमें मनुष्य भी रहा करते थे। जिनसे वह डरने लगा। उसने सोचा यदि हम इनके घरों से रोटी वगैरह लेने जाते हैं तो वह लोग हमको मार कर भगा देंगे। अतः उसने उपाय सोचा कि क्यों न इनकी छतों पर से कपड़ उठा लें। ताकि ये लोग परेशान होकर हमें रोटियां दें। अतः बन्दर ने ऐसा ही किया। बन्दर कपड ले जाता था उसे लोग रोटियां नहीं देते तो वह कपड फाड देता और बटन उखाडकर फैंक देता। इस तरह सभी घरों के लोग परेशान होने लगे तो बन्दर से तंग आकर उपाय सोचा कि आज बन्दर ने कपडों के द्वारा छत पर बुलाकर जाल फैला देंगे और इस प्रकार बन्दर बन्द हो जाएगा। अतः सभी लोगों ने वैसा ही किया। इस तरह नटखट बन्दर जाल में फंस गया। और फिर उसे दूर जंगल में छोड दिया। इस तरह फिर दुबारा बन्दर ने शहर में जाने का विचार हमेशा के लिए त्याग दिया।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

****

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : औषधीय पौधे
मंगलवार — दैनिक विषयः तुलसी

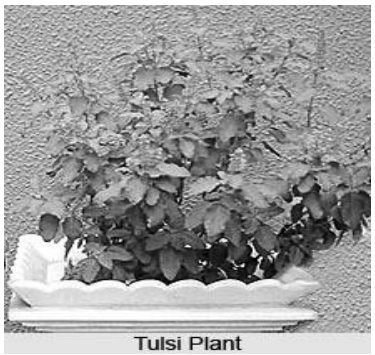
Tulsi Plant

Tulsi

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चो से पूछें कि क्या किसीने तुलसी का नाम सुना है। किस–2 के घर में तुलसी का पौधा है ? घर में सुबह कौन–2 तुलसी को पानी देता है ? जब खांसी, जुकाम होता है तो क्या मम्मी तुलसी के पत्त की चाय बनाती है ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*
पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– दो बच्चे खड़े होंगे बाकि बच्चों के नाम रखेंगे– लाल चॉद, पीला चॉद और हरा चॉद इत्यादि। अब खड़े हुए दोनो बच्चे बोलेंगे– आसमान से आएं हैं, जी–2 किसको लेने आए हो जी–2 पीले चॉद को लेने आए हैं। पीला चॉद बना बच्चा भी उनके साथ खड़ा होकर यही पंक्तियां कहेगा– आसमान स.....
.....

- विभिन्न प्रकार के पत्त लाकर बच्चो को अन्तर समझाएं जैसे– कम हरा, ज्यादा हरा।

हरा

कम हरा

अधिक हरा

- अलग–2 पौधों के पत्त लाकर कागज में चिपकवाएं और बच्चों से मिलान करवाएं।
- बच्चों को पीले, हल्के हरे, गहरे हरे,सूखे पत्तों का ढेर देकर छांटकर अलग करवाएं।

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>भागना/दौड़ना</u>

1. आंगनवाड़ी के समीप जो पौधे हैं हम सभी बच्चों से कहेंगे कि वह इस पौधे से पत्त तोड़ कर लाएं।
2. बच्चों को गोलाकार में खड़ा करें और उनमें से दो बच्चों को अलग करके उनके बीच दौड़ाएं। और एक बच्चे को दूसरे बच्चे को पकड़ने के लिए कहें (गेम के द्वारा)

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– <u>कविता/कहानी/पहली</u>

कविता 'पेड हमारे सच्चे मीत' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

<u>2:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः– <u>छापना/पेंटिंग</u>

1. पत्त को रंग में डूबो कर कागज पर छपवाएं।
2. धागे को रंग में डूबोकर कागज के बीच रखकर पत्त की आकृति में धागे को खींचने को कहें।

3. कागज पर पत्त की आकृति बनाकर रंग भरवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'नटखट बन्दर' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : औषधीय पौधे

बुधवार — दैनिक विषयः घृत क्वारी

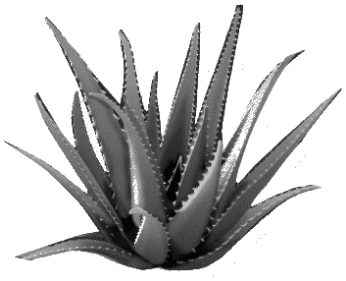

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

बच्चों से तुलसी, नीम आदि के बारे में बात करने के बाद बच्चों से पूछें कि आंवला किस–2 ने खाया है ? किसकी मम्मी आंवले का मुरब्बा और अचार बनाती और खिलाती है। फिर बताएं कि आंवला खाने से खून साफ रहता है, बाल काले रहते हैं, पेट साफ रहता है, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवाएंः– सभी बच्चों को अलग–2 आकृतियां पकड़ा दें। गोले में दौड़ाएं। कार्यकर्ता निर्देश दें– त्रिकोण। त्रिकोण वाले बच्चे जोड़े बना लें। जो गलत जोड़ा बना ले वो खेल से बाहर हो जाएगा। दूसरी अलग–2 आकृतियों के निर्देश देते जाएं।
- अलग क्या है ?

तुलसी	आंवला	पुदीना	नीम	घृतक्वांरी	केला

आम	सेब	अंगूर	केला	मूली	चीकू

- किस पौधे के उपयोग से क्या पदार्थ बनता है इस आधार पर मिलान करवाएं

नीम	काढा
तुलसी	साबुन
पुदीना	चाय
धनिया	चटनी
इलाईची	सब्जी

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— उछलना/कूदना

(3—5+आयु वग)

मूर्ति का खेल

- सभी बच्चे घेरे में खड़ होंगे। कार्यकर्ता जब कोइ भी चीज बजाना शुरु करेंगी तो बच्चे घेरे में दौड़ंगे। जैसे ही बजाना रोकेगी और कहेगी— मूर्ति। तो बच्चे एक दम रुककर किसी भी अभिनय मुद्रा में आ जायेंगे। कार्यकर्ता बन्दर, चिड़िया, पेड़ कुछ भी बनने को कह सकती है। बच्चे उसी मुद्रा में खड़ हो जाएंगे। जो बच्चा हिलेगा, वह आउट हो जाएगा। इस प्रकार खेल जारी रहेगा।
- बच्चों से मेंढक की चाल चलने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहली

कविता 'पेड हमारे सच्चे मीत' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— फाड़ना/चिपकाना

- आंवला के चित्र में हरा कागज फाडकर चिपकाने को कहें।

- पेड की आकृति में कागज फाडकर चिपकाने को कहें, सजाने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'नटखट बन्दर' को कार्यकर्ता कठपुतली/हैंड पपट द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : औषधीय पौधे

वीरवार — दैनिक विषयः पुदीना

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पुदीना के बारे में भी चर्चा करें ? क्या किसी के घर में पुदीना लगा है ? क्या किसी ने पुदीने की चटनी खाई है ? पेट खराब होने पर पुदीने का काढा पिया है। पुदीना किस–2 काम आता है, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : पुर्व संख्याबोध :– *(विधि–छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, लम्बा–छोटा)*
पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें
(3–5+ वर्ग हेतु)

- छोटे–बडे पत्ते, छोटी–बडो लकडो, छोटा–बडा पत्थर अलग–2 करवाएं।

- मोटे पर सही ✓ व पतले पर गलत ✗ का निशान लगवाएं।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— रेंगना/लुढकना

1. बच्चों को सांप, छिपकली आदि की तरह रेंगने का अभ्यास करवाएं।
2. रस्सी के नीचे से रेंगने का खेल करवाएं।
3. मेंढक दौड़ लगवाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहली

कविता 'पेड हमारे सच्चे मीत' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता बच्चों से अकेले—2 करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— पिरोना/छांटना

धागे में पुदीने की पत्तियां पिरोने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'नटखट बन्दर' की दोहराई कार्यकर्ता नाटकीकरण/अभिनय द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : औषधीय पौधे

शुक्रवार — दैनिक विषयः धनिया

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों किस ने धनिया का पौधा देखा है ? किसकी मम्मी खेतों में धनियां लगाती है ? किस–किस बच्चे ने धनिया खाया है ? धनिय का प्रयोग किस में करते हैं ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः यादाश्त

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करे

(3–5+ आयु वर्ग)

बच्चों को धनिया, पुदीना, नीम, गुलाब पंखुडो इत्यादि दिखाकर पूछें कि क्या है ?

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

बच्चों को झ्ककर टांगों के बीच गेंद फैंकने को कहें और सबसे पीछे वाला बच्चा आगे आकर गेंद फैंकेगा।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहली

कविता 'पेड हमारे सच्चे मीत' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता बच्चों से अकेले—2 करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिट्टी/पानी के खेल

- बच्चों से डिस्पोजेबल गिलासों में मिट्टी भरवा कर उडद, चना कुछ भी दबाने को दें।
- मिट्टी में पेड की टहनी लगवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'नटखट बन्दर' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : फूल

सोमवार — दैनिक विषय : गुलाब का फूल

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि किस–2 के घर में गुलाब का पौधा लगा ह ? गुलाब का फुल किस–2 रंग का होता है ? क्या गुलाब में कॉटें भी होते हैं ? फिर गुलाब के फूल दिखा कर वहीं से गुलाब के बारे में बताना शुरु करें।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः स्पर्श / स्वाद– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

1. चार्ट में फलदार पेड़ों, जंगली पेड़ों, औषधीय पौधों व फूलों के चित्र दिखाकर पूछेंगे कि अलग क्या है ?

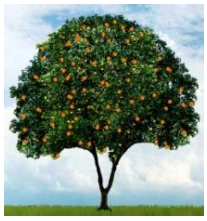

2. प्याज, धूप, फूल, नींबू, धनियां, पुदीना आदि को सुंघाकर उनका बोध करवाएंगे। पुदीना, धनिया, गुलाब की पंखुडी आदि का स्वाद चखा कर छांटने को कहें।

3. बच्चों से खुरदरे, नरम, कठोर वस्तुओं का बोध करवाएं उसके लिए सामग्री– रुई, लकड़ी, पत्थर, फूल, पत्ती, टहनी आदि को आंख बंद करके स्पर्श द्वारा ज्ञान करवाएं।
4. बच्चों को गेंद के फूल व गुलाब के फूल देकर उन्हें आंखे बंद करके छू कर क्रमानुसार लगाने को कहें।

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>चलना/संतुलन बनाना</u>

1. गोल रस्सी पर बच्चों को चलवाएं।
2. एक बच्चे को बीच मे खड़ा करके बाकि को गोलाकार बिठाकर खेल करवाएं। (हरा समन्दर–गोभी चन्दर बोल मेरी मछली कितना पानी। बीच वाला बच्चा घुटनों पर हाथ रखकर बोलेगा इतना पानी। ऐसे ही वह सिर तक दोहराएगा।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– <u>कविता/कहानी/पहली</u>

अभिनय गीत ' छोटी–2 गईयां' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

छोटी–2 गईया छोटे ग्वाल,
छोटे से भाई मेरे मदन गोपाल।
क्या खाएं गऊएं क्या खाएं ग्वाल,
घास खाएं गऊए दूध पीए ग्वाल
मक्खन खाएं मेरे मदन गोपाल।
कहां रहे गऊएं कहां रहे ग्वाल,
कहां रहे भाई मरे मदन गोपाल।
वन में रहे गऊएं गोकुल रहे ग्वाल,
वृन्दावन रहे मेरे मदन गोपाल।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः <u>चित्रकला/रंग भरना</u>

1. गुलाब के पत्तों को रंगो में भिगोकर कागज पर छपवाएं।
2. फूलों को रंगों में भिगोकर छपवाएं।

3. फूलों की आकृतियों में रंग भरवायें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'फूल और शरारती बच्चा' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं।

एक गांव में एक सुन्दर बगीचा थां उस बगीचे में सुन्दर–सुन्दर फूल खिलते थे। बगीचे की देखभाल एक माली किया करता था। उसी बगीचे के पास एक शरारती लडका रहता था। हर रोज जब माली सो जाता बच्चा चुपक से बगीचे में घुस जाता और सो फूल तोड कर इधर–उधर फेंक देता। माली चितिंत हो जाता कि सारे फूल कौन ले जाता है ? उधर सारे फूल भी परेशान रहते कि हम बरबाद होने के लिए थोड ही बने हैं। हम तो बहुत सुन्दर है। घर और बगीचे की खूबसूरती बढाते हैं। सभी को रंग–बिरंगी खुश्बू देते हैं। हम भगवान के चरणों में चढाए जाते हैं। वीरों के पथों पर बिछाए जाते हैं। और कभी श्रेष्ठ पुरुषों के गलों की माला बनते हैं। परन्तु ये बच्चा नटखट है। हम लोगों को काफी परेशान करता है। सारे फूलों ने अपनी परेशानी को अपने राजा फूल गुलाब को बताया। राजा गुलाब अपने दोस्त फूलों की परेशानी सुन्कर काफी दुखी हुआ। गुलाब को एक उपाय सूझा। उसने सारे फूलों से कहा जब शरारती बच्चा बगीचे में आएगा। तुम सारे फूल छिप जाना और मैं खिला रहूंगा। सभी ने ऐसा ही किया। जब शरारतो बच्चा बगीचे में घुस आया तब सारे फूल दिखाई नहीं दिए। उसे गुलाब का फूल दिखाई पडा बच्चे ने सोचा चलो चुपके से गुलाब का फूल ही तोड लूं और अभी माली भी सोया हुआ है। चुपके से शरारती बालक ने गुलाब को तोडना चाहा। गुलाब ने झट से अपना कांटा उस बच्च को चुभो दिया। बच्चे के अंगुली से खून निकलने लगा तथा दर्द से बच्चा चिल्लाया। माली की नींद खुल गई।

माली ने बगीचे में बच्चे को देखा और उसे पकड लिया। बहुत डांटा, मारा भी और समझाया भी। बच्चे को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने कहा कि अब मैं कभी फूलो को नहीं तोडूंगा। सारे फूल बच्चे की बात सुनकर खुश हो गए और खुशी से नाचने लगे।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

****

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : फूल
मंगलवार — दैनिक विषयः कमल का फूल

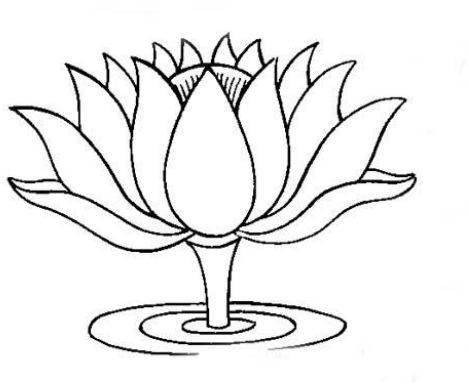

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाडो कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– कमल के फूल का चित्र दिखाकर बताएं कि कमल के फूल का रंग कैसा होता है। कमल का फूल राष्ट्रीय फूल भी है, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, युपिंग)*
पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- खेल करवाएंः– ट्रैफिक लाईट गेम–
  तीन बत्तियां मैंने देखी– लाल, पीली और हरी।
  लाल बताती रुक जाओ, पीली बताती ठहरो–ठहरो,
  हरी बताती जाओ–जाओ,लाल बत्ती में दौड़ लगाई,
  आगे से एक मारुति आई, मारुति से मैं जा टकराई।
  टूटी हडडी मैं पछताई, उई मॉ–उई मॉ मैं चिल्लाई।

- चार्ट के द्वारा बच्चों को फूलों के बारे में बताएं।

- कागज पर कमल का फूल बनवाएं और उसे चार भागों में काटकर बच्चों को जोड़ने के लिए दें।

	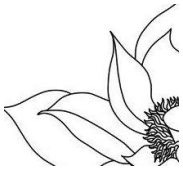	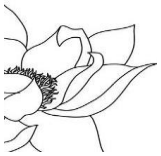	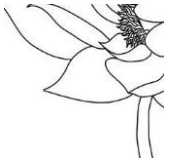

- कई रंगो के कार्ड का बच्चों द्वारा मिलान करवाएं।
- बच्चों को गुलाब के फूल, गेंदे का फूल, कमल का फूल देकर उन्हें रंग के अनुसार क्रमानुसार लगाने को कहें।

- एक समान फूलों का मिलान करवाएं–

 गुलाब का फूल	 गेंदे का फूल
 गेंदे का फूल	 कमल का फूल

कमल का फूल	सूरजमुखी का फूल
सूरजमुखी का फूल	गुलाब का फूल

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— भागना / दौड़ना

1. बच्चों को गोलाकार में खड़ा करके एक बच्चे को चूहा बनाएं और एक बच्चे को बिल्ली बनाएं और गोल दायरे में खड़ बच्चों के बीच दौड़ाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता / कहानी / पहली

अभिनय गीत ' छोटी–2 गईयां' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

2:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— छापना / पेंटिंग

1. कागज पर फूलों की आकृति बनाकर रंग भरने को कहें।

2. फूल को रंग में डुबोकर कागज पर छपवाएं।
3. बच्चों द्वारा क्ले से फूलों का आकार बनवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'फूल और शरारती बच्चा' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

चौथा सप्ताह
बुधवार

साप्ताहिक विषय : फूल
दैनिक विषयः गेंदे का फूल

समय

गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि क्या किसी ने गेंदे का फूल देखा है ? गेंदे का फूल किस रंग का होता है ? क्या इसकी खुश्बू बहत अच्छी होती है ? बच्चों को बताएं कि इसकी माला भी बनती है और इससे पूजा भी करते हैं। भगवान जी पर चढाते हैं। गेंदे का फूल देखने में भी बहुत सुन्दर होता है।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति ज्ञान–*(विधि– पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- खेल करवाएंः– बच्चों को स्टापू खेल करवाएं।

- बच्चों को फूल, पत्ते, टहनी से मिलान करवाएं।

- बाहरी आकृति व भोतरी आकृति की समानता के आधार पर मिलान

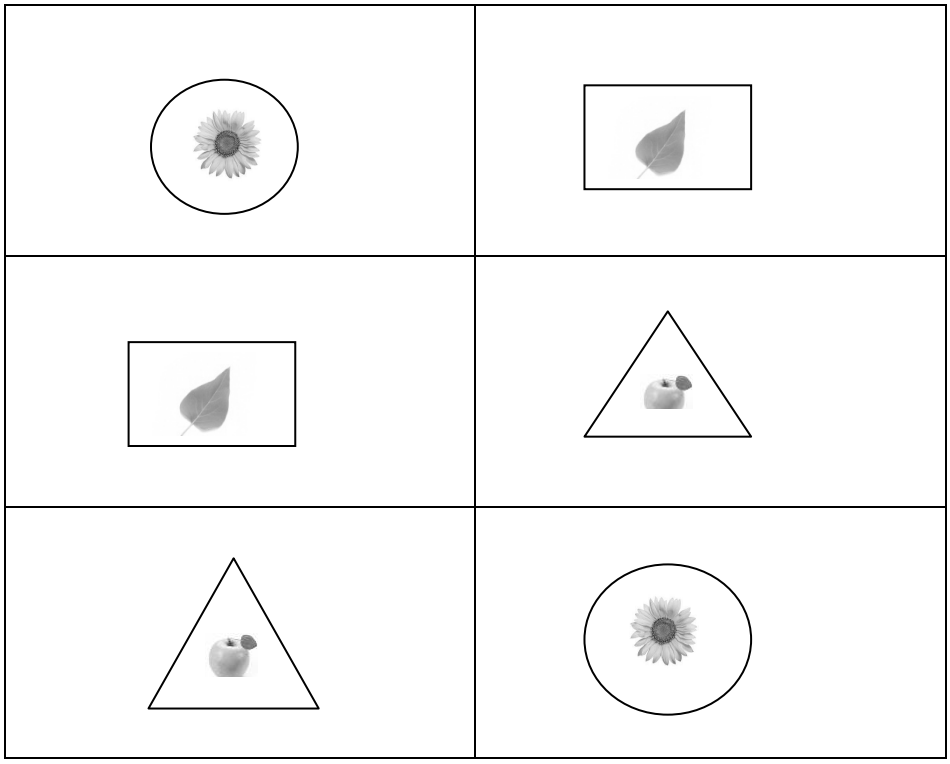

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– उछलना/कूदना

(3–5+आयु वग)

1. गेंदे के फूल की माला बनवाना।
2. एक छोटी किश्ती मेरे पास, वो नई बनवाई।
   पीली बनवाई और पानी में तैराई।
   इक मेंढक बैठा पानी में, मेरी किश्ती डगमगा गई,
   उलट गई, पलट गई।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

अभिनय गीत ' छोटी–2 गईयां' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः– फाड़ना एवं चिपकाना

- बच्चों को फूल की आकृति बनवाकर उस पर रंगीन कागज या फूल की पंखुड़िया चिपकाने को लिए कहं।

- टूटी हुई चुड़ियों और माचिस की तिल्लियों से फूल की आकृति को बनाने या भरने को कहें।

- फूल की आकृति में रंगीन कपड़ा काटकर चिपकवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः– कहानी 'फूल और शरारती बच्चा' की दोहराई कार्यकर्ता कठपुतली/हैंड पपट द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

चौथा सप्ताह
वीरवार

साप्ताहिक विषय : फूल
दैनिक विषयः रात की रानी

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि किस–2 ने रात की रानी का फूल देखा है ? किसे पता है कि उसकी खुश्बू अच्छी होती है ? इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः समय/दूरी/दिशा– *(विधि–आगे–पीछे, पहले–बाद में, दांए–बांए)*
पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- खेल करवाएंः– बच्चे कार्यकर्ता के निर्देशानुसार क्रमबद्ध अभिनय करें जैसे जब बोले–सुबह तो बच्चे उठने, ब्रश करने, नहाने, पूजा करने का अभिनय करें। जब बोले–रात तो बच्चे कम्बल लेने और सोने का अभिनय करें।
- बच्चों को रोजाना की दिनचर्या से अवगत करवाएं कि वह सुबह उठ कर क्या करते हैं, रात को क्या करते हैं और दिन को क्या करते हैं? इस प्रकार हम बच्चों को समय का ज्ञान करवाएं।

- कागज पर या मैदान में घडो बनाए व घडो से बच्चों को समय देखना सिखाएं।

3. बच्चों को फूलों की पंखुडियों व पत्तों से हल्के व लकडो के टुकडों व पत्थर के टुकडों से भारी का ज्ञान करवाएं।
4. बच्चों को फूल, पत्त, लकडो के टुकडों व पत्थर के टुकडों का अलग–2 समूह बनाने को कहें।

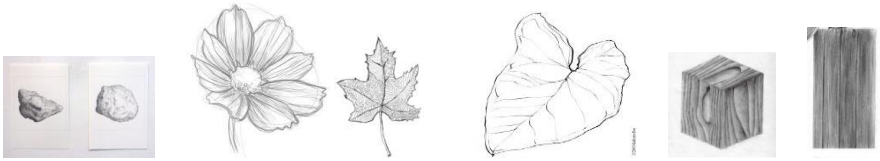

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– रेंगना/लुढकना

बच्चों से फूलों की माला तक लुढक कर पहुंचने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

अभिनय गीत ' छोटी–2 गईयां' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः– पिरोना/छांटना

फूलों व पत्तियों को धागे में पिरोने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'फूल और शरारती बच्चा' की दोहराई कार्यकर्ता नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– सितम्बर
विषयः पेड़ पौधे

चौथा सप्ताह
शुक्रवार

साप्ताहिक विषय : फूल
दैनिक विषयः सूरजमुखी

समय

गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि क्या सूरजमुखी का फूल सबने देखा हैं ? फूल कौन–2 से होते हैं ? बच्चों को बताएं कि सूरजमुखी का फूल सूय की ओर खिला होता है।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः–गुम क्या है

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3– 5+ वर्ग हेतु)

गुम क्या है ?

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

छोटे कपड़ की गेंद बना कर बच्चों को गोल दायरे में बिठा कर एक दूसरे बच्चे की पीठ पर मारने का खेल करवाएं।

गेंद खिलाएं, फुटवाल भी खिला सकते है।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

अभिनय गीत ' छोटी—2 गईयां' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिटटी/पानी का खेल

1 पानी में फूलों व पत्तियों को तैराए।

2. डिस्पोजेबल गिलास में या किसी डिब्बे में मिट्टी भर कर पौधा लगवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'फूल और शरारती बच्चा' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//